छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ में **संयुक्त किसान मोर्चा (SKM)** ने कोयला खनन के लिये बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के खिलाफ **हसदेव अरण्य** में प्रस्तावित नागरिकों के 'प्रोटेस्ट मार्च' को अपना समर्थन व्यक्त किया है।

- **हसदेव अरंड** के जंगलों को जैवविविधता से समृद्ध माना जाता है, **हसदेव नदी का जलग्रहण क्षेत्र अविकसित क्षेत्रों में पीने के पानी** के लिये महत्त्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है।

मुख्य बिंदु:

- छत्तीसगढ़ में **परसा पूर्व और काँटा बासन (PEKB)** कोयला ब्लॉकों के लिये **हसदेव में 137 हेक्टेयर जैवविविधता वाले जंगल की कटाई** से हानिकारक प्रभाव पड़ेगा। जिसमें **हसदेव नदी** का प्रभावित होना, **मानव-हाथी संघर्ष में वृद्धि एवं स्थानीय जैवविविधता** के लिये नकारात्मक परिणाम शामिल हैं।
- सघन वन क्षेत्र के नीचे कुल **5 अरब टन कोयला** होने का अनुमान है।
  - नवीनतम वनोन्मूलन **PEKB के लिये मंज़ूरी** के दूसरे चरण का प्रतीक है; पहले चरण में राजस्थान और पड़ोसी राज्य में **विद्युत की आपूर्ति हेतु कोयला निष्कर्षण के लिये खनन गतिविधियों** को मंज़ूरी देना शामिल था।
- जारी वनोन्मूलन से उत्तरी छत्तीसगढ़ के सरगुजा ज़िले के **सहली, तारा, जनार्दनपुर, घाटबर्रा, फतेहपुर और हरिहरपुर** जैसे पड़ोसी गाँवों **के 700 मूल परिवारों की आजीविका विस्थापित तथा प्रभावित होगी।**
- **हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति**, हसदेव वन बचाओ समिति के आदिवासी अधिकार कार्यकर्त्ताओं के साथ-साथ ग्रामसभा के नेता भी लगातार पेड़ों की कटाई का सक्रिय रूप से विरोध कर रहे हैं।
- **हसदेव अरण्य कोयला क्षेत्र (HACF) में खनन गतिविधियाँ:**
  - HACF लगभग **1,880 वर्ग किमी. में फैला** हुआ है, जिसमे **23 कोयला ब्लॉक** शामिल हैं।
  - वर्ष 2009 में केंद्र सरकार द्वारा इस क्षेत्र को खनन के लिये **'नो-गो ज़ोन'** घोषित किया गया था।
  - खनन की मांग में वर्ष 2010 के दौरान वृद्धि हुई, जब छत्तीसगढ़ सरकार ने PEKB कोयला क्षेत्रों के लिये वन भूमि को स्थानांतरित करने हेतु वन मंज़ूरी की सिफारिश की।
  - वर्ष 2012 में, **PEKB कोयला खदानों के चरण-I** में खनन हेतु **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF)** द्वारा वन मंज़ूरी प्रदान की गई थी।
  - हालाँकि इससे संबंधित मामले विभिन्न न्यायालयों में लंबित हैं, मार्च **2022 में छत्तीसगढ़ सरकार** ने PEKB कोयला ब्लॉक में खनन के दूसरे चरण को मंज़ूरी दे दी।

हसदेव अरण्य वन

- छत्तीसगढ़ के **उत्तरी भाग में फैला हुआ हसदेव अरण्य वन क्षेत्र** अपनी **जैवविविधता और कोयला भंडार** के लिये जाना जाता है।
- यह वन क्षेत्र महत्त्वपूर्ण आदिवासी आबादी वाले ज़िलों **कोरबा, सुजापुर और सरगुजा** के अंतर्गत आता है।
- महानदी की सहायक **नदी हसदेव** यहाँ से प्रवाहित होती है।
- हसदेव अरण्य मध्य भारत का सबसे बड़ा अखंडित जंगल है जिसमें **प्राचीन साल (शोरिया रोबस्टा) और सागौन के जंगल** शामिल हैं।
- यह एक प्रसिद्ध प्रवासी गलियारा है, जिसमें हाथियों की महत्त्वपूर्ण उपस्थिति है।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chhatisgarh-bachao-andolan